



मछली उत्पादन बढ़ाए जाने और आजीविका विकल्प के लिए पिंजरा मछली पालन



एच डी पी ई से निर्मित पिंजरा

निर्माण: हाइ डेन्सिटी पोली एथिलेन (एच डी पी ई), विस्तार: 6 मीटर का व्यास, 120 से.मी. की ऊँचाई, 6 मी. की गहराई

पिंजरे में पालन योग्य चुंबी गयी मछली जाति: समुद्री बास, रेड स्नापर, चैनोस, मल्लेट, कोबिया, पोम्पानो, ग्रूपर, कोथ, पॉक्रेट, महाचिंगट आदि

समुद्री मछलियों के आकार और गुणता का अनुकूल स्तर पर अनुरक्षण
मानव हस्तक्षेप के बिना पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था

अतिजीविता दर 75% से अधिक

एच डी पी ई से निर्मित पिंजरा

सी एम एफ आर आइ की उपलब्धियाँ

सी एम एफ आर आइ द्वारा वर्ष 2007 में विशाखपट्टणम, आंध्रा प्रदेश में प्रारंभ किया गया खुला सागर पिंजरा मछली पालन - पिंजरे से एशियन समुद्री बास मछली लैटेस कैलकारिफर का सफलतापूर्वक संग्रहण किए जाने से देश में, समुद्र में मछली पालन के नए युग की शुरुआत।

वेरावल (गुजरात), मुम्बई (महाराष्ट्र), चेन्नई (तमिल नाडु) और विष्णिम (कर्ल) में वर्ष 2009 से लेकर शूली महाचिंगट का सफलतापूर्वक पालन।

सी एम एफ आर आइ गुजरात के वेरावल में, ट्राइबल सब प्लान (टी एस पी) के अंदर जुनगढ़ जिले के आदिम 'सिदी' जनजाति लोगों को सम्मिलित कराते हुए खुला सागर पिंजरा खेत में शूली महाचिंगट (पानुलिरस पोलीफागस) के पालन का निर्दर्शन किया।

खुला सागर जलकृषि के लिए अलग करके पुनःसमायोजन करने लायक उद्यित प्रकार के पिंजरों का विकास किया गया।

देश के विभिन्न भागों के खुले सागर और पश्च जल क्षेत्रों में कोबिया, पोम्पानो, समुद्री बास, मल्लेट, पेर्ल स्पॉट, रेड स्नापर मछलियों का सफलतापूर्वक पालन और महाचिंगट और चिंगटों का सफलतापूर्वक पालन निर्दर्शन किया गया।

प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए सहभागिता आधार पर पिंजरा मछली पालन तरीके का विकास किया गया।



लागत अनुकूल खुला सागर पिंजरा

6 मी. का व्यास, 120 से.मी. की ऊँचाई, 6 मी. की गहराई, 700 किं.ग्रा. का कुल भार

निर्माण: अच्छी गुणता का 1.5" का जी आइ पाइप (वी क्लास) अधिक मजबूती के लिए डबल वेल्विंग किया हुआ, जंग से बचाने के लिए एपोक्सी प्राइमर का सिंगल कोट पेइन्टिंग और एपोक्सी ग्रे पेइन्ट से डबल कोट पेइन्टिंग

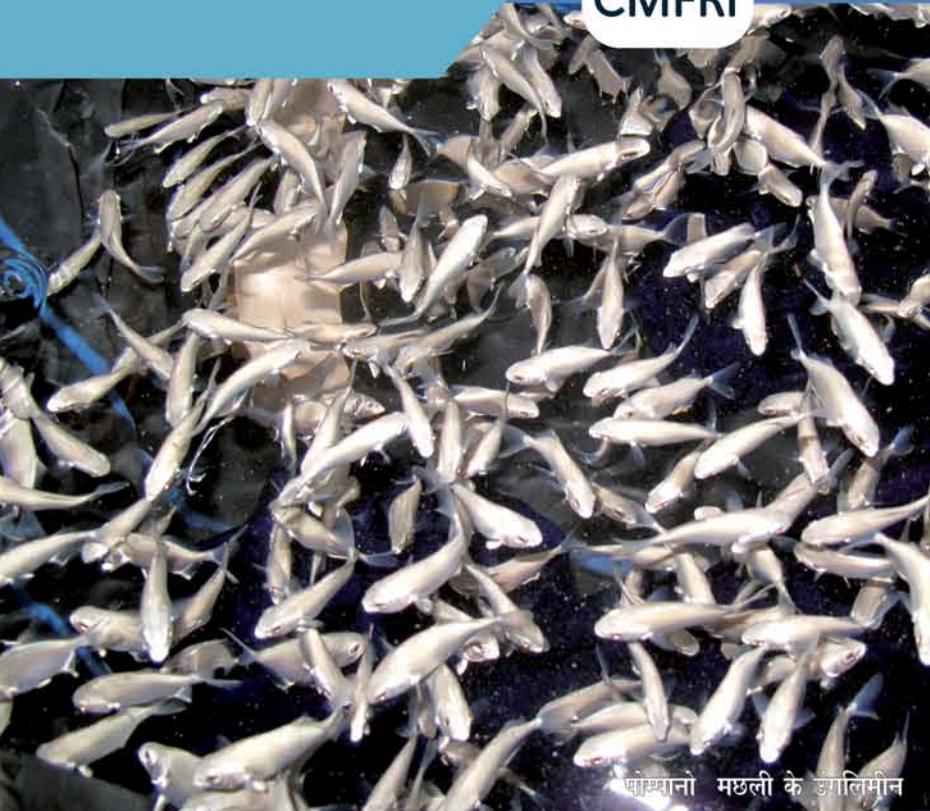
मध्य भाग में परभक्षी मछलियों का प्रवेश रोकने के लिए पानी के स्तर से 60 से.मी. की ऊँचाई में बाहरी जाल

जाल और लंगर सहित एक लाख रुपए का कम लागत पिंजरा। एकल मछली पालन से निवेश लागत की वसूली

सी एम एफ आर आइ में कोबिया और पोम्पानो परखमछली प्रजनन में सफलता



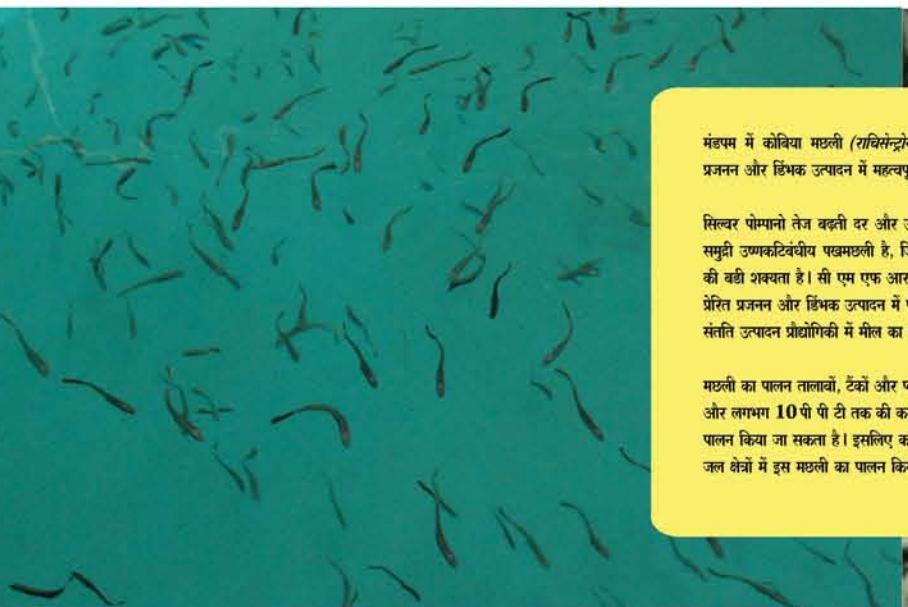
कोबिया मछली के उंगलिमीन



सी एम एफ आर आइ

CMFRI

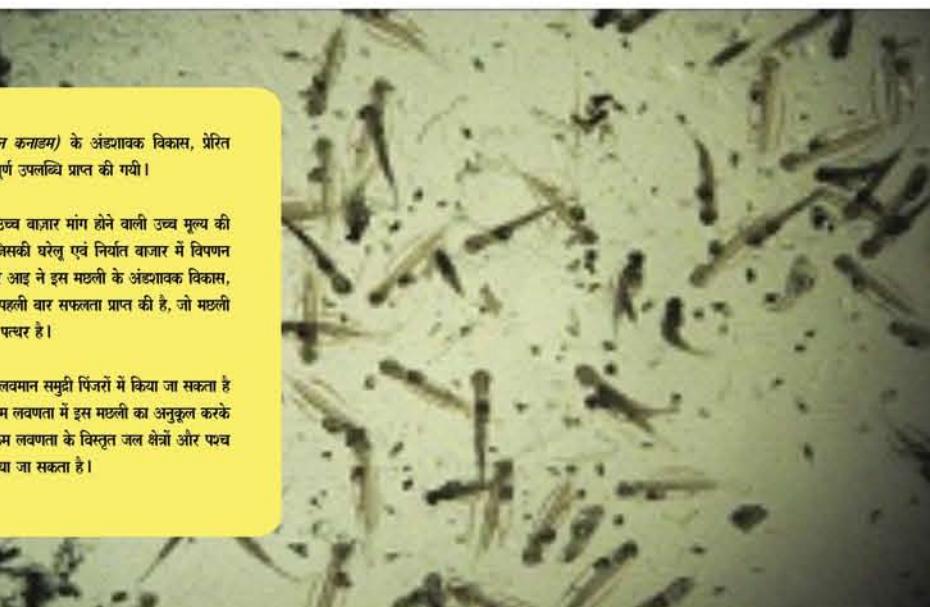
सी एम एफ आर आइ



मंडपम में कोबिया मछली (रायसेन्ट्रेन कनाडा) के अंडांवाक विकास, प्रेरित प्रजनन और विभक्त उत्पादन में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की गयी।

सिल्वर पोम्पानो तेज बढ़ी दर और उच्च वाजार मांग होने वाली उच्च मूल्य की समुद्री उष्णकटिबंधीय प्रदूषणमयी है, जिसकी घरेलू एवं निर्वात वाजार में विपणन की बड़ी शक्तिरहित है। सी एम एफ आर आइ ने इस मछली का अनुकूल करके पालन किया जा सकता है। इसलिए कम लवणता के विस्तृत जल क्षेत्रों और फिर जल क्षेत्रों में इस मछली का पालन किया जा सकता है।

मछली का पालन तलावों, टैकों और जलवायन समुद्री पिंजरों में किया जा सकता है और लगभग 10 पी. टी तक की कम लवणता में इस मछली का अनुकूल करके पालन किया जा सकता है। इसलिए कम लवणता के विस्तृत जल क्षेत्रों और फिर जल क्षेत्रों में इस मछली का पालन किया जा सकता है।



तैयारी : विपिनकुमार वी. पी, अश्वती एन, बोबी इन्नेब्यस, गोपकुमार जी, उमा ई. के, शालिनि के. पी, पुष्करन के. एन और अभिलाष पी. आर (2014)